

## उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने 8 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर सहयोग किया चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मध्य प्रदेश (MP) और उत्तर प्रदेश (UP) सरकारों ने 8 गीगावाट (GW) [सौर ऊर्जा संयंत्र](#) वकिसति करने के लिये साझेदारी की है, जो दो भारतीय राज्यों के बीच इस तरह का पहला महत्वपूर्ण [नवीकरणीय ऊर्जा](#) सहयोग है।

### मुख्य बंदि

- **सहयोग अवलोकन:**
  - उत्पादति बजिली को दोनों राज्यों के बीच साझा किया जाएगा, जो हर छह महीने में उनकी अधिकितम मांग के मौसम के अनुसार होगा।
  - **मध्य प्रदेश:** अधिकितम मांग अक्टूबर से मार्च तक होती है, जो रबी फसल के मौसम के साथ मेल खाता है।
  - **उत्तर प्रदेश :** अधिकितम मांग अप्रैल से सतिंबर के बीच होती है, जो खरीफ फसल के मौसम के साथ मेल खाती है।
  - सौर ऊर्जा का वतिरण मौसमी मांग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा।
- **परियोजना चरण और वकिसत:**
  - प्रथम चरण में 2 गीगावाट की परियोजना वकिसति की जाएगी, जिसके लिये मोरेना (म.प्र.) को संभावति स्थल के रूप में चनिहति किया गया है।
- **राज्य नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:**
  - **मध्य प्रदेश:** वर्ष 2030 तक 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य, जो वर्तमान 9 गीगावाट है।
  - **उत्तर प्रदेश:** वर्ष 2026-27 तक 22 गीगावाट सौर क्षमता का लक्ष्य, जो वर्तमान 6.8 गीगावाट है।

//

# POWER SHARING

8 Gw pipeline to supply both states;  
6 months each

## UTTAR PRADESH

Apr–Sep (kharif crop season)

■ **22 GW**: Solar power target by  
2026–27

■ **6.8 GW**: Current  
solar capacity

---

## MADHYA PRADESH

Oct–Mar (rabi crop season)

■ **20 GW**: Solar power target by 2030

■ **9 GW**: Current RE capacity